

र

र 1) m. = तीक्ष्ण und दृक् (पावक) H. an. 1, 11. MED. r. 1. love, desire; speed WILSON nach EKĀKSHARAK. — 2) f. a) रा = विभ्रम und दान EKĀKSHARAK. im ÇKDr. = काञ्चन ÇABDAR. ebend. — b) f. रो = गति ÇABDAR. im ÇKDr. — 3) n. = तेजस् Glangz: रं (so ist zu lesen) तेजः सवि-
तुर्यच्च दलितं पञ्चपाधुना । रंदलेति च ते नाम द्वापरान्ते भविष्यति ॥ Verz. d. Oxf. H. 74, a, 25.

रंसु (von रन्, रण्, रंसु Padap.; auf रम् zurückgeführt Nir. 6, 17) adj. erfreulich, ergötzlich; adv.: स चित्रेण चिकिते रंसु भासा RV. 2, 4, 5. = रमणीयेषु Śā. Zur Bildung des Wortes vgl. रंतु und रंतु (von दक्) brennend RV. 2, 4, 4. 10, 115, 4; vgl. RV. Prāt. 4, 41.

रंसुञ्जिह्व (रंसु + जिह्व) adj. der eine angenehme Zunge (Stimme) hat (vgl. RV. 5, 26, 1. 6, 16, 2); von Agni: क्वाता क्तिरेण्यरथो रंसुञ्जिह्वः RV. 4, 1, 8. = रमणीयशोभनज्वालितेपित Śā.

रंक्, रंक्ति (गती) Dhātup. 17, 83. Naigh. 2, 14. Nir. 9, 11. कृन्मतिः सु-
रक्षिषु रंक्तिः प्राच्यमध्यमेषु गमिमेव तार्याः प्रयुञ्जते Pat. in Mahābh. S. 62.
rinnen machen; med. rinnen, rennen: तमुत्सो ऋतुभिर्बद्धधानां अरंक्
ऊधः पर्वतस्य वज्रिन् RV. 5, 32, 2. स रंक्त उरुगायस्य ब्रूतिम् 9, 97, 9.
(धारा) रंक्माणा व्यष्ट्यं वारं वासीव (धावति) 100, 4. 110, 3. अरंक्त प-
द्याभिः ककुब्धान् 10, 102, 7. act. in der Bed. des med.: न रंक्ताश्चकुञ्ज-
रम् BHATT. 14, 98.

— caus. = simpl.: वाञ्छि अरंक् रंक्तः RV. 1, 85, 5. तस्येदर्वतो रंक्-
यत्त आशवः 8, 19, 6. 10, 113, 6. वातस्य रंक्तिस्वामृतस्य योनिः Kauç. 49.
रंक्त्यति (v. l. वंक्त्यति) sprechen oder leuchten Dhātup. 33, 123.

— intens. partic. रारंक्ता eilend, eilig RV. 1, 134, 1. अशंसो न रंक्त्यो
रारंक्ताः 148, 3. तद्वन्वेदिन्ने रारंक्ता आसाम् 10, 139, 4.

रंक् = रंक्स् in वातरंक्.

रंक्स् (von रंक्) Uṅādis. 4, 213. n. Schnelle, Geschwindigkeit AK. 1, 1,
1, 59. H. 494. HALĀJ. 2, 288. (देवगन्धर्ववाक्ताः) न कीयन्ते च रंक्स्: MBh.
1, 6484. नावमारुह्य रंक्सा RĀGA-TAR. 5, 84. BHĀG. P. 5, 14, 29 (nach dem
Comm. adj. = शीघ्र). 7, 8, 33. असङ्गरंक्सा 4, 5, 5. असह्य° 19, 27. अति-
रभसतर° 5, 17, 9. वज्र° 6, 11, 21. मारुतस्य RAĞH. 2, 34. मनसा कार्यसिद्धौ
बरादिगुणरंक्सा KUMĀRAS. 2, 63. काल° BHĀG. P. 4, 27, 3. कालेनाव्यक्त-

रंक्सा 1, 4, 16. 5, 23, 2. कालेन गभीरंक्सा 1, 5, 18. तार्क्ष्यमारुत° MBh. 1,
5886. गरुडानिल° 7, 1605. R. 5, 1, 32. मनोमारुत° MBh. 1, 897. 3, 12027.
मनो° HARIV. 8895. मनसा समरंक्सः KUMĀRAS. 6, 36. so v. a. impetus,
Heftigkeit, Feuer: वासुदेवाङ्गुनयुधानपरिवृक्तिरंक्सा । भक्त्या BHĀG. P.
1, 15, 29. ज्ञानविराग° 4, 22, 26. अन्वोऽन्यसंदर्शनकर्ष° 10, 82, 14. so v. a.
मूहम् (nach dem Comm.) 4, 24, 28. als Beiw. Çiva's (die personifizierte
Geschwindigkeit) MBh. 14, 195. 212. Viṣṇu's HARIV. 14141. — Vgl.
अति°, वात°.

रंक्स् am Ende eines adj. comp. = रंक्स् : तुरगैर्मनोमारुतरंक्सैः HA-
RIV. 6198.

रंक्ति (von रंक्) f. 1) das Rinnen, der rinnende Strom: पर्वस्व देववी-
रतिं पवित्रं सोमं रंक्ता RV. 9, 2, 1. 6, 8. 106, 13. पुनानस्य संयतो यत्ति रं-
क्त्यः 86, 47. — 2) das Rennen, Jagen, Eile, Flug Nir. 10, 29. विव्यचद-
ञ्चो क्तिरितो न रंक्ता RV. 10, 96, 4. 93, 3. 178, 3. यास्ति शोच्यो रंक्त्यो जा-
तवेदो याभिरापूणासि दिवमत्तरितम् AV. 18, 2, 9. पूञ्जो रंक्त्यै VS. 6, 18.
ÇAT. Br. 3, 8, 2, 22.

रंक्, रंक्त्यति (आस्वादेने) Dhātup. 33, 63. रंक्त्यति मोदकं बालकः Dur-
gād. im ÇKDr. — Vgl. रग्, रक्, लक्, लग्.

रंक् gaṇa शण्डिकादि zu P. 4, 3, 92. m. the sun gem; crystal; a hard
shower WILSON nach ÇABDĀRTHAK.

रंक्सा f. eine Gattung des leichteren Aussatzes (लुङ्कुष्ठ), auch zu den
लुङ्गरोग gezählt, Suçr. 1, 268, 4. 269, 13. 292, 10. 294, 18. ÇĀRṆG. ŚĀM. 1, 7, 65.

रंक्कार m. der Laut र R. 3, 43, 35. Verz. d. Oxf. H. 99, a, 16.

रंक्ता m. N. pr. eines Mannes RĀGA-TAR. 5, 423. 6, 170. 197. 204. 233.
324. °ज्ञया Bez. einer von ihm errichteten Bildsäule der Çrī 5, 425. An
zwei Stellen bei TROYER रंक्ता gedruckt.

रंक्ता (partic. von रंक्) 1) adj. a) gefärbt AK. 3, 4, 14, 82. 6, 8, 45. H.
an. 2, 189. MED. t. 48. धूम° ÇAT. Br. 6, 3, 1, 26. वासम् ऀच. GṆH. 1, 19, 11.
ÇĀRṆH. GṆH. 1, 11. M. 10, 87. 12, 66. लाता° KAUC. 76. °कुम्भ 84. °पापस
SHADV. Br. 5, 2. तेन रंक्ताम् P. 4, 2, 1. — b) roth AK. 1, 1, 4, 24. H. 1395. 49. H.
an. MED. HALĀJ. 4, 48. 2, 282. 3, 58. °कृत्त ÇĀRṆH. GṆH. 1, 12. कृत्तानि धातु-
रंक्तानि MBh. 1, 1172. °श्मशुशिरोरंक्त् 5929. अशोक इव रंक्ताः 5, 7154. कुरु-